अलर्ट सायरन आवाज के बाद मोबाइल पर क्या होगा, जानकर घबराएं नहीं!

विषय सूची (Table of Contents):

>> मुख्य अपडेट्स (Highlights)...
>> सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम कैसे काम करता है?...
>> SACHET सिस्टम और आपदा प्रबंधन...
>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...
>> Reference Official Source...

देशभर में करोड़ों मोबाइल फोन पर शनिवार सुबह11:45 बजेएकसाथ सायरन की आवाज सुनाई देने लगी। स्क्रीन पर हिंदी-अंग्रेजी का यह अलर्ट मैसेज दिखा, जिससे कई लोग हड़कंप में आ गए। लेकिन सरकार का स्पष्ट बयान है कि घबराने कीकोई जरूरत नहीं है। यह केवल आपदा प्रबंधन प्रणाली का एक ऐतिहासिक टेस्ट है, जिसका उद्देश्य आपातकाल में लोगों तक सूचना तेजी से पहुंचाना है।

त्वरित जानकारी (Quick Summary)

देश केसभी राज्यों के राजधानी और दिल्ली-NCRमें दोपहर मोबाइल अलर्ट टेस्ट किया गया। इसमें लोगों को बताया गया कि यह केवल परीक्षण है, कार्रवाई की कोई जरूरत नहीं।NDMAने2 मईको सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम का परीक्षण किया, जो भविष्य में आपदा के समय रियल-टाइम चेतावनी देगा।

मुख्य अपडेट्स (Highlights)

>> देशभर में तालाबंदी:राजधानियों औरदिल्ली-NCRमें एक साथ मैसेज जारी, जिसमें सायरन बंद होने के बाद मैसेज पढ़कर भी सुनाया गया।

>> भाषाओं का समावेश:मैसेजहिंदी, अंग्रेजी और सभी क्षेत्रीय भाषाओंमें भेजा गया ताकि सभी को समझ में आ सके।

>> कोई पूर्व सूचना:सरकार ने दो दिन पहले ही लोगों से अपील की थी कि टेस्ट मैसेज पर घबराएं नहीं, यह केवल जांच है।

>> SACHET सिस्टम:इसमेंC-DOTद्वारा विकसितSACHETप्रोटोकॉल का इस्तेमाल किया गया, जो36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशोंमें सक्रिय है।

>> 134 अरब अलर्ट:अब तक इस सिस्टम से19 भारतीय भाषाओंमें 134 अरब से ज्यादा SMS भेजे जा चुके हैं।

>> आधुनिक तकनीक:Cell Broadcast (CB)तकनीक से बिना इंटरनेट के भी सभी मोबाइल पर एक साथ अलर्ट पहुंचता है।

सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम कैसे काम करता है?

इस प्रणाली को समझना बेहद आसान है। नीचे दिए गए बिंदुओं को ध्यान से पढ़ें-

SACHET सिस्टम और आपदा प्रबंधन

भारतीय सरकारी संस्थासेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेट्रिक्स (C-DOT)ने इंटीग्रेटेड अलर्ट सिस्टम को SACHET नाम दिया है। यह सिस्टमकॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (CAP)पर आधारित है और देश के36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशोंमें सक्रिय है। इसका मुख्य उद्देश्य आपदा की स्थिति में जनता को रियल-टाइम जानकारी प्रदान करना है ताकि कोई जानकारी के पास न रहने की समस्या हो।

>> द्रुत गति:आपदा की स्थिति में मिनिटों में करोड़ों लोगों तक पहुंच सकेगी।

>> व्यापक कवरेज:नेटवर्क के हो या न हो, सेल के भीतर के सभी मोबाइल पर अलर्ट जाएगा।

>> भाषा समावेश:स्थानीय भाषाओं का समावेश कर समझौता बनाया गया है ताकि किसी को भी कोई भ्रम न हो।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

यह टेस्टNDMAऔर टेलीकॉम विभाग द्वारा आपदा के समय सभी लोगों तक रियल-टाइम अलर्ट पहुंचाने की सुविधा की जांच के लिए किया गया था। इससे सुनिश्चित होता है कि आपात स्थिति मेंCell Broadcastतकनीक ठीक से काम करे और कोई भी जानकारी छूट न हो।

भविष्य मेंभूकंप, बाढ़, चक्रवातजैसी किसी आपदा या राष्ट्रीय आपातकाल के समय, उस विशेष क्षेत्र में मौजूद सभी मोबाइल फोन पर तुरंत अलर्ट मिलेगा। यहसेल ब्रॉडकास्टतकनीक के जरिए बिना इंटरनेट के भी काम करेगा।

Reference Official Source

अधिक जानकारी के लिए भारत सरकार के आधिकारिक विभाग की वेबसाइट देखें-

https: ndma.gov.in